Dr. PRITI RANJAN

Assistant Professor

H. D Jain College Ara

B. A Part - III

Paper. I

Topic - Chhathi shatabdi isa purv

छठी शताब्दी ईसा पूर्व

Part - II

6. चेदि → वर्तमान बुन्देलखण्ड का पूर्वी भाग एवं उसके निकट भाग प्राचीन चेदि महाजनपद के अंतर्गत आते थे। शक्तिमती चेदि महाजनपद की राजधानी थी। भगवान कृष्ण का प्रतिद्वंद्वी शिशुपाल चेदि वंश का ही था।

7. वत्स - वत्स महाजनपद वर्तमान इलाहाबाद के क्षेत्र में स्थित था। इसकी राजधानी कौशांबी थी। यहाँ का उदयन नाम का शासक था। कथासरित्सागर के आधार पर यह अनुमान लगाया जाता है कि उदयन पाण्डव परिवार से सम्बन्धित था। विष्णु पुराण के अनुसार हस्तिनापुर के राजा निचक्षु ने हस्तिनापुर के बाढ़ में नष्ट होने पर कौशांबी को ही अपनी राजधानी बनाया था।

8. कुरु → दिल्ली, मेरठ तथा थानेश्वर के क्षेत्र तक फैले कुरु राज्य की राजधानी इन्द्रप्रस्थ थी। माना जाता है कि कुरु राजा का संबंध युधिष्ठिर परिवार से था। बुद्धकाल में यहाँ का शासक कोरव्य था। पहले कुरु एक राजतंत्र था, परंतु बाद में यह गणतंत्र बन गया।

9. पंचाल → वर्तमान में रुहेलखण्ड के बरेली, बदायूँ एवं फर्रुखाबाद जिलों को मिलाकर ही प्राचीन पंचाल महाजनपद का निर्माण होता था। गंगा नदी इस महाजनपद को दो भागों - उत्तरी पंचाल एवं दक्षिणी पंचाल में बांटती है। उत्तरी पंचाल की राजधानी अहिच्छत्र एवं दक्षिणी पंचाल की राजधानी काम्पिल्य थी।

10. मत्स्य → मत्स्य महाजनपद जयपुर-भरतपुर अलवर क्षेत्र में स्थित था। इसकी राजधानी- विराटनगर थी। इसे बाद में मगध साम्राज्य में मिला लिया गया.

11. सूरसेन → इस महाजनपद की राजधानी- मथुरा थी। पुराण तथा महाभारत में मथुरा के शासक को यदुवंशीय कहा गया है।

12. अश्मक → यह महाजनपद गोदावरी नदी तट पर स्थित एक मात्र ऐसा स्थल था, जो नर्मदा के दक्षिण में स्थित था। इसकी राजधानी पतिन या पोटली थी। पुराणों से ज्ञात होता है कि
13. अश्मक में राजतंत्र की स्थापना इक्ष्वाकुवंशीय शासकों ने की। चुल्लकालिंग जातक के अनुसार अस्मक के राजा अरुण ने कलिंग के शासक को जीता था. महात्मा बुद्ध के पूर्व अस्मक का अवंति महाजनपद से संघर्ष चलता रहा था, जिसमें- अंततः अवंति को सफलता प्राप्त हुई।

13. अवंति → आधुनिक मालवा का क्षेत्र ही प्राचीन अवन्ति महाजनपद का क्षेत्र था। यह महाजनपद दो भागों — उत्तरी अवन्ति एवं दक्षिणी अवन्ति में बँटा था, उत्तरी अवन्ति की राजधानी- उज्जैन एवं दक्षिणी अवन्ति की राजधानी- महिष्मती थी। गौतम बुद्ध के समय अवन्ति का शासक चण्ड प्रद्योत था। ~~मज्झ शासक~~ बौद्ध धर्म से प्रभावित इस महाजनपद को शिशुनाग ने मगध में मिला लिया था।

14. गंधार → गंधार महाजनपद वर्तमान पाकिस्तान के पेशावर तथा रावलपिंडी जिले में स्थित था। इसकी राजधानी- तक्षशिला थी। पाणिनि के अनुसार इसका प्राचीन नाम गांधारि था। यहाँ के शासक पुक्कुसाति ने उसने मगध शासक बिम्बिसार के दरबार में अपना दूतमंडल भी भेजा था। परवर्ती काल में गंधार पर फारस का अधिकार हो गया.

(6)

15. कंबोज → यह पश्चिमी सीमा का दूसरा महत्वपूर्ण राज्य था। इसकी राजधानी हाटक या राजपुर थी। इसके दो महत्वपूर्ण शासक चन्द्रवर्धन और सुदक्षिण थे। कौटिल्य ने अर्थशास्त्र में कंबोज को 'वार्ताशस्त्रोपजीवी' कहा है। अर्थात् कृषकों, पशुपालकों, व्यापारियों तथा योद्धाओं का संगठन। कम्बोज राज्य श्रेष्ठ घोड़ों के लिए विख्यात था।

16. मगध → मगध महाजनपद में आधुनिक पटना, गया तथा शाहाबाद का क्षेत्र शामिल था। इसकी प्राचीन राजधानी राजगृह (गिरिव्रज) थी। बाद में उदयन के समय इसकी राजधानी पाटलिपुत्र हो गई। पुराणों के अनुसार इस वंश का प्रथम शासक शिशुनाग था, किन्तु बौद्ध लेखक इसकी वंशावली हर्यक वंश के प्रथम शासक बिम्बिसार से प्रारंभ करते हैं।

बौद्ध साहित्य में उल्लिखित सोलह महाजनपदों में मगध, वत्स, कौशल एवं अवन्ति सर्वाधिक शक्तिशाली थे।